











रातूः बिजली खंडे से  
टकरायी बाइक,  
किटोट घायल

रातू। थाना क्षेत्र के काटीटांड वौक रिश्त मिलन मोडकल के समीप ब्रेकर पर असंतुलित आरवन 5 मोटरसाइकिल जेए 01 ईके 7886 लोहे की बिजली खंडे से टकरा गयी। इससे पिंप्र निवासी स्व मोखार अंसारी उर्फ मनू के 14 वर्षीय भाइ अंसारी घायल हो गया। टकरकर इतनी जबरजस्त थी कि उसके ड्लैमेट और सिर रक्षित्रहस्त हो गए हैं। छाती में भी गंभीर चोट आयी है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के न्यूरो सजरी वार्ड में भर्ती कराया गया है। जहां वह जिंदगी और मौत से ज़दा रहा है। घटना शहर आ गई थी, लेकिन वह वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

रातू। अंसारी ने बिजली खंडे से टकरायी की गति सो रो भी अधिक थी। वह लापरवाही से मोटर साइकिल चलाते हुये घर से चौक की ओर आ रहा था।

**कलथ यात्रा के साथ देवी नंडप ने नां दुर्गा का पूजन-हवन शुरू**

बुंदू। बुंदू स्थित देवी मंडप में भव्य कलथ यात्रा के साथ अंतर्राष्ट्रीय सिद्धांश्रम साधक परिवार द्वारा आयोजित दो दिवसीय श्री दुर्गा जी का पूजन-हवन कर्यक्रम आरंभ हो गया। रातून्हाँ दो देवी मंडप के लिए कलथ यात्रा के अनुप्रयाप एवं अनिवार्य पांडेय द्वारा किया गया। मौके पर साधक परिवार के अनुप्रयाप, सनत चैत, भूवनेश्वर प्रमाणिक, चंद्रमोहन महतो, प्रदीप महतो शामिल थे।

**शिव मन्दिर प्रांगण ने नहाजुटान सह नहाआरती कार्यक्रम बुंदू।** रविवार शाम को शिव मन्दिर प्रांगण मकान में हिन्दुओं का महाजुटान सह महाआरती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिन्दुओं के महाजुटान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भरव सिंह व अन्य अतिथियों के द्वारा महाआरती की गयी। इससे पूर्व ऐरवा का बुढ़मू बैक से स्वागत कर एक मार्का मिरार परिवार ले जाया गया। भरव सिंह के आते ही जय जय श्रीराम, एक ही नारा एक ही नाम, जय जय श्रीराम के जयघोष से गुज उठा। महाआरती से फहले अतिथियों ने अपने सोबहन में हिन्दू एकता की बात कही। बहत आयोजन के लिए बजरंग दल और शिव मन्दिर समिति का आधार व्यक्त किया। मौके पर कमल किशोर ठाकुर, देवलाल मुंडा, शंकर साहू, विकास साहू, सहित अन्य शिव मन्दिर प्रांगण की बातें हैं।

**इटकीः काट-बाइक की टक्कर ने दो घायल**

इटकी। इटकी-बाइक मार्ग पर बारीडी हांग के पांड पतरा के समीप रविवार को काट और बाइक की टक्कर के टक्कर के दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। घायलों के विनय मिंज और पकज उरांव के रूप में किया गया है। सूक्ता मिलते ही पुलिस घटना स्थल पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में कर लिया है।

**कुटे से एक बैल और एक गाय की चोरी**

सिकिदिरी। सिकिदिरी थाना क्षेत्र के कुटे गाय के मजबूतीन खान उर्फ भेला खान का एक बैल व एक गाय की ज़क्का वारों ने घोरी की ली है। इस संबंध में मजबूतीन खान ने अज्ञात चोरों के खिलाफ सिकिदिरी थाने में मामला दर्ज कराया है। थाना में दर्ज मामला के अनुसार अन्य दिनों की तरह कुटे पर आवास योजना की रूपी व्यक्ति ने शिव मन्दिर के साथ निवासी लोगों को घोरी की लोटी देने की विधि लिया है।

**राहे प्रखंड ने पीएन आवास योजना के सर्वे के नाम पर उगाही**

राहे। प्रखंड के कई गांवों में इन दिनों प्रधानमंत्री आवास योजना सर्वेक्षण करने के नाम पर ग्रामीणों से अवैध घर पर जाकर आवास योजना की जानकारी लिये थे। और अपने को कल्पणा विभाग का कर्मचारी बता रहे हैं।

# ओरमांझीः भटकी बेटी को पिता से मिलाया

•काम के तलाश में मांडर से गई थी शहर, 10 दिन बाद पिता से मिली

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। क्षेत्र के बरवे पंचायत की मुख्यिया अनीता लिंडा की प्रयास से एक भटकी बेटी को उसके पिता से मिलाया गया। बताया गया कि 14 वर्षीय बेटी की मां की निधन हो गया है। वह अपने पिता व भाई के साथ तमाङ थाना क्षेत्र की मुद्रवार्ता के साथ चारों घायल हो गए हैं। छाती में भी गंभीर चोट आयी है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के न्यूरो सजरी वार्ड में भर्ती कराया गया। जहां वह जिंदगी और मौत से ज़दा रहा है। घटना शहर आ गई थी, लेकिन वह वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

सिर्फ मुंदारी भाषा बोलना जानती थी



भटकी बेटी (बीव में) और पिता को सौंपती मुख्यिया अनीता लिंडा।

रातू। लेकिन वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्यिया अनीता लिंडा।

वह किसी से मदद भी नहीं ले सकती। तीन-चार दिन शहर में ही भटकने के बाद पांचवें दिन भी जानती थी, जिसके कारण वह काम की तलास में भटक के प्रयास के लिए उत्तिष्ठा की रूपी भाष्य













